



ये अव्यक्त इशारे



अशरीरी व विदेही स्थिति का अभ्यास बढ़ाओ

15-11-2025

जैसे हठयोगी अपने श्वास को जितना समय चाहें उतना समय रोक सकते हैं। आप सहजयोगी, स्वतः योगी, सदा योगी, कर्मयोगी, श्रेष्ठ योगी अपने संकल्प को, श्वास को प्राणेश्वर बाप के ज्ञान के आधार पर जो संकल्प, जैसा संकल्प जितना समय करना चाहो उतना समय उसी संकल्प में स्थित हो जाओ। अभी-अभी शुद्ध संकल्प में रमण करो, अभी- अभी एक ही लगन अर्थात् एक ही बाप से मिलन की, एक ही अशरीरी बनने के शुद्ध-संकल्प में स्थित हो जाओ।

Increase the practice of the bodiless stage (ashariri and videhi)

Hatha yogis are able to hold their breath for as long as they want. You easy yogis, natural yogis, constant yogis, karma yogis, elevated yogis, need to be able to become stable in your thoughts and your breath for as long as you want and in whatever thought you want on the basis of this knowledge that is given to you by the Father, who is the Lord of your Life. Play with pure thoughts one moment and have deep love for just the one Father or become bodiless and have a meeting with Him. Become stable in this one pure thought.